

मुख्य परीक्षा

भारत और न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता(FTA)

संदर्भ

भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता(FTA) किया है।

एफटीए की मुख्य विशेषताएं -

- सीमा शुल्क मुक्त बाजार पहुंच: भारतीय निर्यात पर 100% सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा।
- स्वास्थ्य सेवा सहयोग: स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं पर न्यूजीलैंड का पहला अनुबंध शामिल किया गया है।
- कृषि एकीकरण: कृषि उत्पादकता बढ़ाने और भारतीय किसानों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ने के लिए कृषि उत्पादकता साझेदारी की शुरुआत की गई है।



भारत और न्यूजीलैंड एफटीए के लाभ -

क्षेत्र	भारत के लिए प्रमुख लाभ
बाजार पहुंच (वस्तुएं)	समझौते के लागू होने के साथ न्यूजीलैंड की 100% टैरिफ लाइनों (8,284) पर शून्य-शुल्क पहुंच; लगभग 450 भारतीय निर्यात लाइनों पर ~10% शुल्क का उन्मूलन; 2.2% का औसत लागू शुल्क शून्य तक घटाया गया
सेवाओं में व्यापार	न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव: 118 सेवा क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएँ; 139 क्षेत्रों में एमएफएन (सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र) उपचार
स्वास्थ्य एवं आयुष	पहला स्वास्थ्य एवं पारंपरिक चिकित्सा परिशिष्ट; आयुष (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, होम्योपैथी) का वैश्विक प्रचार; मेडिकल वैल्यू ट्रेवल और वेलनेस सेवाओं को बढ़ावा
शिक्षा एवं छात्र गतिशीलता	अध्ययन के दौरान छात्रों को 20 घंटे/सप्ताह कार्य की अनुमति; भविष्य के नीतिगत परिवर्तनों से संरक्षण; विस्तारित पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा (STEM स्नातक: 3 वर्ष; परास्नातक: अधिकतम 3 वर्ष; डॉक्टर: अधिकतम 4 वर्ष)
पेशेवर गतिशीलता	आयुष, योग, भारतीय व्यंजन, संगीत, आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण क्षेत्रों में भारतीयों के लिए 5,000 कुशल वीजा (अधिकतम 3 वर्ष तक)
वर्किंग हॉलीडे स्कीम	प्रतिवर्ष 1,000 भारतीय युवाओं को 12 माह तक बहु-प्रवेश ठहराव के लिए पात्रता
निवेश	15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा USD 20 बिलियन का एफडीआई प्रतिबद्धता
विनियामक सुविधा	औषधियों एवं चिकित्सा उपकरणों के लिए त्वरित अनुमोदन; अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूके, कनाडा के नियामकों द्वारा किए गए निरीक्षणों की मान्यता
बौद्धिक संपदा	भारतीय उत्पादों के लिए ईयू-स्तरीय जीआई संरक्षण हेतु 18 महीनों के भीतर कानूनों में संशोधन की बाध्यकारी प्रतिबद्धता
सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा	अग्रिम निर्णय, ई-दस्तावेजीकरण, 48 घंटों में निकासी (नाशवंत वस्तुओं के लिए 24 घंटे)

स्रोत: पीआईबी

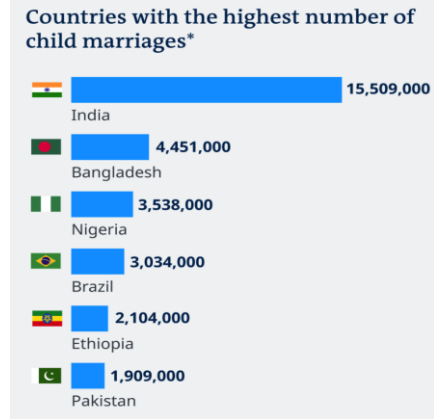
भारत में बाल विवाह

संदर्भ

केंद्र सरकार ने अपने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की पहली वर्षगांठ मनाई

भारत में बाल विवाह से संबंधित तथ्य -

- बाल विवाह में गिरावट: बाल विवाह निवारण अधिनियम, 2006 के अधिनियमन के बाद 2006 और 2019-21 के बीच भारत में बाल विवाह की दर 47.4% से घटकर 23.3% हो गई।
 - पिछले एक साल में 2 लाख से अधिक बाल विवाह को रोका गया था।
- भारत में बाल विवाह का प्रचलन: भारत में अभी भी हर पांच में से एक लड़की की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो जाती है।
- जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार: 2014-15 में 918 से 2023-24 में 930।
- बाल विवाह के उच्च बोझ वाले राज्य:
 - पश्चिम बंगाल (41.6%), बिहार (40.8%), त्रिपुरा (40.1%), राजस्थान, झारखंड, असम और आंध्र प्रदेश।



यूनिसेफ रिपोर्ट (2023) -

- विश्व की प्रत्येक तीन बाल-वधुओं में से एक भारत में निवास करती है।
- भारत में बाल्यावस्था में विवाह करने वाली लड़कियों और महिलाओं में से आधे से अधिक पाँच राज्यों में रहती हैं: उत्तर प्रदेश (सर्वाधिक), बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश।
- बाल विवाह करने वाली अधिकांश युवतियों ने किशोरावस्था में ही बच्चे को जन्म दिया।

बाल विवाह के पीछे प्रमुख कारण -

- गरीबी और आर्थिक असुरक्षा: परिवार घरेलू खर्चों और कथित आर्थिक बोझ को कम करने के लिए बच्चों की शादी जल्दी कर देते हैं।
- लैंगिक असमानता और पितृसत्ता: लड़कियों को आश्रित के रूप में देखा जाता है, जिसमें विवाह को उनकी प्राथमिक भूमिका के रूप में देखा जाता है।
- सामाजिक मानदंड और परंपराएं: गहरी जड़ें जमा चुके रीति-रिवाज और सामुदायिक दबाव कम उम्र में विवाह को सामान्य करते हैं।
- शिक्षा की कमी: कम स्कूल नामांकन और उच्च ड्रॉपआउट दर, विशेष रूप से लड़कियों में, भेद्यता को बढ़ाती है।
- सुरक्षा संबंधी चिंताएं: यौन उत्पीड़न, तस्करी या सामाजिक कलंक से बचने के लिए माता-पिता बेटियों की शादी जल्दी कर देते हैं।
- कमजोर कानून प्रवर्तन: बाल विवाह निषेध अधिनियम का खराब कार्यान्वयन और कम दोषसिद्धि दर।
- संकट की स्थिति: आपदाएँ, महामारी, प्रवासन और संघर्ष आर्थिक तनाव और कम उम्र में विवाह को तेज करते हैं।

प्रभाव क्या हैं?

- स्वास्थ्य पर:
 - उच्च मातृ मृत्यु दर और कम उम्र में गर्भधारण के कारण रुग्णता।
 - खराब बाल स्वास्थ्य परिणाम, जिसमें जन्म के समय कम वजन और कुपोषण शामिल हैं।

- **शिक्षा और अर्थव्यवस्था पर:**
 - स्कूली शिक्षा छोड़ने वालों की संख्या, विशेषकर लड़कियों में, कौशल विकास को बाधित करती है।
 - अंतर-पीढ़ीगत गरीबी, क्योंकि कम उम्र में शादी कमाई की क्षमता को प्रतिबंधित करती है।
- **अधिकारों और कल्याण पर:**
 - शक्ति असंतुलन के कारण घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार में वृद्धि।
 - युवा लड़कियों की स्वायत्तता और निर्णय लेने की क्षमता में कमी।
- **समाज पर:**
 - जल्दी और बार-बार गर्भधारण के कारण उच्च जनसंख्या वृद्धि।
 - मानव पूंजी विकास में बाधा, जिससे राष्ट्रीय विकास प्रभावित होता है।

बाल विवाह को संबोधित करने के लिए प्रमुख उपाय -

- **कानूनी ढांचा:** बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 राज्यों को रोकथाम, निगरानी और प्रवर्तन के लिए बाल विवाह निषेध अधिकारियों की नियुक्ति अनिवार्य करता है।
- **सरकारी योजनाएं:** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) जैसी पहल कम उम्र में विवाह को कम करने के लिए लड़कियों की शिक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं।
- **जमीनी स्तर की पहल:** सूरजपुर मॉडल (छत्तीसगढ़) ने समुदाय के नेतृत्व वाली कार्यवाही का प्रदर्शन किया, जिसमें स्थानीय सतर्कता और सामाजिक लामबंदी के माध्यम से 75 पंचायतों को 'बाल विवाह मुक्त' घोषित किया गया।
- **वैश्विक प्रतिबद्धताएं:** भारत संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार सम्मेलन (यूएनसीआरसी) का हस्ताक्षरकर्ता है और उसने सतत विकास लक्ष्य 5 को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिसका उद्देश्य 2030 तक बाल विवाह, कम उम्र में विवाह और जबरन विवाह को समाप्त करना है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

प्रारंभिक परीक्षा

सूक्ष्म उल्कापिंड और कक्षीय मलबा(MMOD)

संदर्भ

हाल ही में अंतरिक्ष मलबे का एक टुकड़ा चीनी मानवयुक्त अंतरिक्ष यान शेनझोउ-20 से टकराया, जिससे सूक्ष्म उल्कापिंड और कक्षीय मलबे (MMOD) को लेकर वैश्विक चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं।

सूक्ष्म उल्कापिंड और कक्षीय मलबे (MMOD) के बारे में -

● सूक्ष्म उल्कापिंड(Micrometeoroids) :

- अंतरिक्ष में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले अत्यंत सूक्ष्म कण, जिनका आकार सामान्यतः माइक्रोमीटर से लेकर लगभग 2 मिमी तक होता है।
- अधिकांशतः क्षुद्रग्रह पट्टी में होने वाली टक्करों से उत्पन्न होते हैं; इनका एक छोटा हिस्सा धूमकेतुओं से आता है।
- अत्यंत उच्च वेग (11–72 किमी/सेकंड) से गमन करते हैं, जिससे बहुत छोटे कण भी अत्यधिक विनाशकारी हो जाते हैं।
- सूक्ष्म उल्कापिंड पूरे अंतरिक्ष में विद्यमान होते हैं, किंतु गुरुत्वाकर्षण के कारण पृथ्वी के निकट इनका घनत्व कुछ अधिक होता है।

● कक्षीय मलबा (अंतरिक्ष कबाड़):

- पृथ्वी की कक्षा में स्थित मानव-निर्मित वस्तुएँ, जो अब किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करतीं।
- इनमें निष्क्रिय उपग्रह, प्रयुक्त रॉकेट चरण, टक्करों से उत्पन्न टुकड़े तथा उपग्रह-रोधी (ASAT) परीक्षणों से बना मलबा शामिल है।
- कक्षीय मलबा मुख्यतः पृथ्वी की निचली कक्षा (200–2,000 किमी) में संकेंद्रित होता है।

MMOD द्वारा उत्पन्न जोखिम क्या हैं?

- **विनाशकारी क्षति जोखिम:** यहां तक कि मिलीमीटर आकार के कण भी अत्यधिक गतिज ऊर्जा के कारण उपग्रहों को अक्षम कर सकते हैं।

- **अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खतरा:** कू मॉड्यूल या जीवन रक्षक प्रणालियों में किसी प्रकार का रिसाव घातक हो सकता है।
- **मिशन व्यवधान:** सेंसर, सौर पैनल और संचार प्रणालियों को नुकसान मिशन जीवन को कम करता है।
- **केसलर सिंड्रोम:** एक अनियंत्रित टक्कर श्रृंखला जिसमें मलबा और अधिक मलबा उत्पन्न करता है, जिससे कक्षाएं अनुपयोगी हो सकती हैं।
- **आर्थिक और रणनीतिक जोखिम:** उपग्रहों का नुकसान नेविगेशन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और रक्षा को प्रभावित करता है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

अंजदीप एंटी-सबमरीन वाटर क्राफ्ट

संदर्भ

भारतीय नौसेना ने आठ एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (ASW SWC) में से तीसरे अंजदीप को शामिल किया है।

अंजदीप के बारे में -

- इसका नामकरण कर्नाटक के तट पर स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर किया गया है।
- **स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित:** गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा एल एंड टी शिपयार्ड के साथ पीपीपी मॉडल के तहत।
 - 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री
- **लंबाई:** ~ 77 मीटर।
- **प्रणोदन:** वाटरजेट(वाटरजेट प्रणोदन का उपयोग करने वाला सबसे बड़ा भारतीय नौसैनिक युद्धपोत)।
- **भूमिका:**
 - उथले तटीय जल में पनडुब्बी रोधी युद्ध
 - तटीय निगरानी
 - खदान बिछाने का काम
- **विरासत:** 2003 में सेवामुक्त किए गए पेट्रिया श्रेणी के कार्वेट आईएनएस अंजदीप की विरासत को जारी रखा गया है।

ASW SWC भारतीय नौसेना के युद्धपोतों का एक विशेष वर्ग है जिसे तटीय और उथले जल अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

प्राथमिक उद्देश्य: तट के निकट दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना।

स्रोत: [द हिंदू](#)

मावेन क्राफ्ट(MAVEN Craft)

संदर्भ

नासा के MAVEN(मार्स एटमोस्फियर एंड वोलेटाइल इवोल्यूशन) अंतरिक्षयान ने 6 दिसंबर को पृथ्वी स्थित ग्राउंड स्टेशनों के साथ संपर्क (सिग्नल) खो दिया।

मावेन अंतरिक्ष यान के बारे में -

- यह नासा का एक मंगल-कक्षीय मिशन है, जिसे मंगल के ऊपरी वायुमंडल, आयनमंडल तथा सौर पवन के साथ उसकी अंतःक्रिया के अध्ययन हेतु प्रक्षेपित किया गया है।



- उद्देश्य: यह समझना कि समय के साथ मंगल ने अपने वायुमंडल और जल का अधिकांश भाग कैसे खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप वह एक गर्म एवं आर्द्र ग्रह से शीत और शुष्क ग्रह में परिवर्तित हो गया।
- प्रक्षेपण यान: एटलस V
- कक्षा का प्रकार: मंगल के चारों ओर अत्यधिक दीर्घवृत्ताकार कक्षा

स्रोत: [द हिंदू](#)

IUCN प्रजाति उत्तरजीविता आयोग (SSC)

संदर्भ

विवेक मेनन(वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ़ इंडिया के संस्थापक) आईयूसीएन प्रजाति उत्तरजीविता आयोग के प्रथम एशियाई अध्यक्ष बने हैं।

प्रजाति उत्तरजीविता आयोग के बारे में -

- यह प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) के छह विशेषज्ञ आयोगों में से एक है।



- इसमें दुनिया भर के 9,000 से अधिक विशेषज्ञ और वैज्ञानिक शामिल हैं।
- SSC वैश्विक जैव-विविधता और प्रजाति संरक्षण से जुड़े विषयों पर IUCN सचिवालय को परामर्श देता है।
- यह इसमें एक प्रमुख भूमिका निभाता है:
 - आईयूसीएन संकटग्रस्त प्रजातियों की रेड लिस्ट का निर्माण और अद्यतन।
 - विभिन्न प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्रों पर कार्यरत विशेषज्ञ समूहों का समन्वय।
 - संरक्षण नीति और कार्रवाई के लिए वैज्ञानिक योगदान प्रदान करना।

स्रोत: [मोंगाबे](#)

रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट (RFI) - IMF

संदर्भ

चक्रवात दितवाह से हुई तबाही के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट (RFI) के तहत श्रीलंका के लिए 206 मिलियन डॉलर की राशि को मंजूरी दे दी है।

रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट (RFI) के बारे में -

- यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की एक आपातकालीन ऋण सुविधा है।
- RFI का उद्देश्य: प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों और स्वास्थ्य आपात स्थितियों, वस्तु मूल्य में उतार-चढ़ाव और संघर्ष, युद्ध या अचानक आर्थिक संकट से प्रभावित देशों को सहायता प्रदान करना।
- प्रमुख विशेषताएँ:

- तेजी से संवितरण: धनराशि जल्दी जारी की जाती है, अक्सर एक ही किश्त में।
- सीमित शर्त: एक पूर्ण आर्थिक सुधार कार्यक्रम की कोई आवश्यकता नहीं है।
 - केवल बुनियादी नीतिगत प्रतिबद्धताएं और सुरक्षा उपाय।
- लचीला उपयोग: इसका उपयोग बजट समर्थन, स्वास्थ्य खर्च, आयात या अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए किया जा सकता है।
- यह नीति आय स्तर की परवाह किए बिना, सभी IMF सदस्यों पर लागू होती है।

स्रोत: [द टेलीग्राफ](#)

घोस्ट पेयरिंग(GhostPairing)

संदर्भ

CERT-In ने WhatsApp अकाउंट हैक करने के नए तरीके (जिसे GhostPairing के नाम से भी जाना जाता है) के बारे में भारतीय उपयोगकर्ताओं को चेतावनी देते हुए एक एडवाइजरी जारी की है।

घोस्ट पेयरिंग क्या है? -

- साइबर धोखाधड़ी की एक नई तकनीक जो हमलावरों को उपयोगकर्ता के पासवर्ड या सिम कार्ड की आवश्यकता के बिना व्हाट्सएप अकाउंट पर नियंत्रण हासिल करने में सक्षम बनाती है।
- हमला कैसे काम करता है:
 - यह स्कैम व्हाट्सएप की डिवाइस-लिंकिंग सुविधा का दुरुपयोग करता है।
 - उपयोगकर्ताओं को ऐसे पेयरिंग अनुरोध को स्वीकृत करने के लिए बहकाया जाता है, जो वैध प्रतीत होता है।
 - हमलावर उपयोगकर्ता की कार्रवाई को प्रेरित करने हेतु "Hi, check this photo" जैसे भ्रामक संदेश भेजते हैं।
- समझौते की प्रकृति: पेयरिंग स्वीकृत होते ही हमलावर का डिवाइस एक छिपा हुआ लिंकड डिवाइस बन जाता है।

- हैकर को चैट्स, संपर्कों और अकाउंट की गतिविधियों तक पूर्ण पहुँच मिल जाती है, जिससे अकाउंट प्रभावी रूप से हार्डजैक हो जाता है।

स्रोत: [हिंदुस्तान टाइम्स](#)

कुट्टनाड आर्द्रभूमि कृषि प्रणाली

संदर्भ

समुद्र तल से नीचे की खेती के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कुट्टनाड के धान के खेत बढ़ती मिट्टी की अम्लता और एल्यूमीनियम विषाक्तता के कारण तनाव में हैं।

कुट्टनाड आर्द्रभूमि कृषि प्रणाली (केरल) के बारे में

- परस्पर जुड़े हुए भूदृश्यों के एक मोज़ेक से युक्त एक अद्वितीय कृषि-पारिस्थितिक तंत्र।
- तीन प्रमुख घटक:
 - आर्द्रभूमियाँ: धान की खेती और मछली पालन के लिए उपयोग की जाती हैं।
 - उद्यान भूमि: खाद्य फसल वृक्षारोपण का समर्थन करती है।
 - जल निकाय: अंतर्देशीय मत्स्य पालन और शंख संग्रहण के लिए प्रयुक्त होते हैं।
- अनूठी विशेषता: भारत में यह एकमात्र कृषि प्रणाली है जहाँ समुद्र तल से नीचे भूमि पर, खारे दलदली भू-भाग को सृजित कर धान की खेती की जाती है।
- वैश्विक मान्यता: FAO द्वारा विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली(GIAHS) के रूप में नामित किया गया।

स्रोत: [द हिंदू](#)

समाचार में प्रजातियां

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड



समाचार?

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान और गुजरात में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर (जीईसी) परियोजनाओं के संदर्भ में संरक्षण क्षेत्रों को संशोधित और परिष्कृत करके ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) के संरक्षण के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत किया है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के बारे में -

- **वितरण:** यह भारतीय उपमहाद्वीप के लिए स्थानिक है, जो ज्यादातर राजस्थान और गुजरात तक ही सीमित है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में छोटी आबादी पाई जाती है।
 - जैसलमेर (राजस्थान) में स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की आबादी के लिए जाना जाता है।
- **विशेषताएँ:**
 - **पर्यावास:** खुले घास के मैदान, शुष्क मैदान और झाड़ीदार जंगल
 - नर के पास एक विशिष्ट काला मुकुट, एक लंबी गर्दन और सफेद अंडरपार्ट्स के साथ एक बर्फ रंग का शरीर होता है।
 - मादाएं आम तौर पर छोटी होती हैं और उनमें प्रमुख काले मुकुट की कमी होती है।
 - सबसे भारी उड़ने वाले पक्षियों में से एक, जिसका वजन 10 से 15 किलोग्राम के बीच होता है।
 - यह मुख्य रूप से सर्वाहारी है। यह टिड्डों, भृंगों और कभी-कभी छोटे कृन्तकों और सरीसृपों जैसे कीड़ों को खाता है। यह घास के बीज भी खाता है।
 - केवल 150 से कम GIB जंगल में बचे हैं और लगभग विशेष रूप से भारत तक ही सीमित हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
 - IUCN स्थिति: गंभीर रूप से लुप्तप्राय
 - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची I
 - CITES: परिशिष्ट I
 - प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम में शामिल।
- **खतरें:**
 - बिजली की लाइनें (दृश्यता में खलल डालती हैं)
 - मुक्त क्षेत्र में घूमते कुत्ते
 - खेतों में कीटनाशक
 - घास के मैदान और घोंसलों की जगहों का नुकसान
- **GIB के संरक्षण के लिए उठाए गए कदम:**

	<ul style="list-style-type: none"> ○ प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम: इसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के वन्यजीव आवासों के एकीकृत विकास के अंतर्गत प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम में रखा गया है। ○ फायरफ्लाई बर्ड डाइवर्टर्स: विद्युत तारों पर लगाए जाने वाले फ्लैप, जो GIB जैसे पक्षियों के लिए प्रतिबिंबक का कार्य करते हैं। पक्षी इन्हें लगभग 50 मीटर की दूरी से देख सकते हैं और टकराव से बचने के लिए अपनी उड़ान का मार्ग बदल सकते हैं। ○ कृत्रिम अंडे सेना(Artificial Hatching): जंगली से अंडे इकट्ठा करना और कृत्रिम रूप से उन्हें सेना। ○ सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय: 2021 में, सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया: <ul style="list-style-type: none"> ■ प्राथमिक GIB आवासों में विद्युत ट्रांसमिशन लाइनों को भूमिगत करने का निर्देश। ■ जहाँ भूमिगत करना संभव नहीं, वहाँ पक्षी डाइवर्टर्स की अनिवार्य स्थापना। <p>स्रोत: डाउन टू अर्थ</p>
--	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

